

## ओलावृष्टि से कृषतगिरस्त रबी 2021-22 की फसल के लिये विशेष गरिदावरी

### चर्चा में क्यों?

3 मार्च, 2022 को हरियाणा वधानसभा के चालू बजट सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटेर ने सदन में बताया किराज्य के कुछ ज़िलों में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से कृषतगिरस्त रबी 2021-22 की फसल के लिये विशेष गरिदावरी का काम 1 मार्च, 2022 से शुरू हो चुका है।

### प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री ने सदन में बताया किराज्य में रबी फसलों की सामान्य गरिदावरी का कार्य 28 फरवरी तक कथि जाता है, जबकि हाल ही में 25-26 फरवरी को हुई ओलावृष्टि से कृषतगिरस्त रबी फसलों के लिये विशेष गरिदावरी का कार्य 1 मार्च से शुरू कथि गया है।
- विशेष गरिदावरी के पूरा होते ही मुआवज़ा सीधे कसिानों के खातों में ट्रांसफर कर दथि जाएगा। उन्होंने बताया कधिन, कपास, बाजरा जैसी खरीफ फसलों (2020-21) के लिये मुआवज़ा राशिका वतियण कथि जा रहा है।
- उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कअगर कसिानों की कृष भूमि में जलभराव के कारण फसल की बजिई नहीं हो पाती है तो भी पीड़ति कसिानों को मुआवज़ा दथि जाएगा।
- उल्लेखनीय है कभारी वर्षा, जलभराव तथा कीट के हमलों से खरीफ 2021 की फसल (कपास, मूंग, धान, बाजरा और गन्ना) में नुकसान हुआ था, जसिके लिये हरथिणा सरकार द्वारा विशेष गरिदावरी करवाई गई।
- गरिदावरी में करनाल, पलवल, नूंह, गुरुग्राम, हसियार, सरिसा, फतेहाबाद, चरखी दादरी, भविानी, रोहतक, सोनीपत, झज्जर समेत कुल 12 ज़िलों के डीसी की रपिर्ट के अनुसार 9,14,139 कसिानों को प्रभावति पाया गया। 24,320 कसिानों के मुआवज़े को उनके बैंक खाते में सीधा स्थानांतरति कथि जा चुका है। शेष कसिानों के मुआवज़े को 15 मार्च, 2022 तक करने के नरिदेश दथि गए हैं।